शिकायतों पर जांच दल की कार्रवाई प्रारंभ

बड़वानी। जिला शिक्षा केंद्र (सशिअ) द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर जिले के अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकें, गणवेश एवं कॉपी एक ही दुकान से क्रय करने के लिए बाध्य करने की संभावित स्थिति की जांच के लिए जांच दल गठित किया गया है। इस संदर्भ में जिला मुख्यालय के अशासकीय विद्यालयों में सघन जांच की जा रही है। इसी के तहत जांच दल ने 11 जुलाई को शहर के चुनाभट्टी स्थित स्कॉलर्स एकेडमी स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान दल सदस्यों ने विद्यार्थियों के स्कूल बेग में प्रयुक्त पाठ्यपुस्तकों की जांच की। प्राचार्य से पुस्तकों की अधिकृत सूची ली। विद्यार्थियों एवं उनके पालकों से व्यक्तिगत रूप से जानकारी लेकर स्पष्ट किया कि क्या गणवेश, पुस्तकें और कॉपी विशेष दुकान से ही लेने का दबाव तो नहीं डाला गया है। पालकों के कथन दर्ज किए तथा विद्यार्थियों से भी जानकारी संकलित की गई। जांच दल द्वारा एकत्रित सभी तथ्यों के आधार पर विस्तृत जांच प्रतिवेदन तैयार कर निर्धारित समय-सीमा में जिला शिक्षा कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा। यदि किसी तरह की अनियमितता सामने आती है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच में प्राचार्य पीएमश्री शासकीय हाई स्कूल संतोष मिश्रा, प्रधानाध्यापक सियाराम मोरे, जनशिक्षक लोकेन्द्र पाटीदार शामिल है।

बाढ़ में फंसे ग्रामीणों को निकाला बाहर

बड़वानी। कलेक्टर गुंचा सनोबर के निर्देशानुसार 11 जुलाई को बाढ़ आपदा राहत व बाढ़ ग्रस्त ग्रामीण क्षेत्रों में फंसे लोगों को बाहर निकालने की मॉक ड्रिल, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनाश के मार्गदर्शन में एवं जिला सेनानी शरदचन्द्र राय के नेतृत्व में राजघाट पर सुबह 11.30 बजे की। बाढ़ की सूचना मिलते ही बाढ़ आपदा प्रभारी प्लाटून कमाण्डर मुकेश मीणा के हमराह में एसडीईआरएफ टीम व क्यूआरटी टीम ने सभी आवश्यक उपकरणों के साथ राजघाट पहुंच रेस्क्यू प्रारंभ किया। इस दौरान आपदा मित्र भी पहुंचे और चिकल्दा में फंसे ग्रामीणों को सकुशल बाहर निकाल राजघाट तट पर लाए। एक ग्रामीण चलती नाव से पानी में गिर जाने से डुबने की स्थिति बन गई, लेकिन एसडीईआरएफ जवान ने पानी में कूद कर उसे सुरक्षित बाहर निकाल उपचार के लिए जिला अेस्पताल की एम्बुलेंस से रवाना किया। मॉक ड्रिल में क्यूआरटी प्रभारी व्हीपीसी कमल कुशवाह, आर अनुप राठौर सैनिक मनोहर सिसोदिया उपस्थित थे। संयुक्त कलेक्टर ने डीबीफिंग की। प्रदर्शन के लिए सभी को बधाई दी। साथ ही कहा कि आगामी समय पर संभावित बाद राहत कार्यों में और अधिक कुशलता के साथ कार्य करेंगे।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत

इंदौर. ओंकारेश्वर दर्शन के लिए बाइक से निकले इंदौर निवासी एक युवक की रास्ते में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. वह सड़क किनारे बाइक के पास बेसुध हालत में पड़ा मिला था. मृतक की पहचान 45 वर्षीय संजय पिता बुद्धसेन निवासी निपानिया के रूप में हुई है. संजय ओंकारेश्वर जाने के लिए बाइक से निकला था. रास्ते में सनावद के पास वह अचेत अवस्था में सड़क किनारे गिरा मिला. राहगीरों ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और संजय को अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. पुलिस ने मामला संदिग्ध मौत के रूप में दर्ज किया है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी.

मकान बेचने से इनकार, पति ने की मारपीट

इंदौर. गांधी नगर क्षेत्र के अरिहंत नगर में एक महिला के साथ उसके पति ने मारपीट की. महिला का आरोप है कि पति मकान बेचने का दबाव बना रहा था, और मना करने पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी. पीड़िता मंदा राकसे ने थाने में शिकायत दी कि वह अपने तीन बच्चों के साथ अलग रह रही है, जबकि उसका पति रवि उर्फ पंखा राकसे खंडवा में रहता है. सुबह वह अरिहंत नगर स्थित उसके घर आया और मकान बेचने को लेकर विवाद करने लगा. महिला के मना करने पर आरोपी ने मारपीट शुरू कर दी. उसकी बेटी और पड़ोसियों ने बीचबचाव कर किसी तरह उसे बचाया. जाते-जाते आरोपी ने धमकी दी कि यदि मकान नहीं बेचा तो जान से मार देगा. गांधी नगर पुलिस ने आरोपी रवि राकसे के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

विवाहित महिला पर बनाया जबरन शादी का दबाव

इंदौर. गांधी नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 32 वर्षीय विवाहित महिला ने एक युवक पर जबरन शादी का दबाव बनाने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह किसी काम से लौट रही थी, तभी नया बसेरा स्थित सांई मंदिर के पास उसकी मुलाकात अरिहंत नगर निवासी दिलीप मोहनिया से हुई, जिसे वह करीब डेढ़ साल से जानती है. दिलीप ने उससे कहा कि वह उससे शादी करना चाहता है और उसे साथ चलने के लिए कहने लगा. महिला ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि वह विवाहित है. इस पर आरोपी ने गाली-गलौज कर लात-घूंसे से मारपीट की और धमकी दी कि अगर उसने शादी नहीं की तो वह उसे जान से मार देगा. पीड़िता की शिकायत पर गांधी नगर पुलिस ने दिलीप मोहनिया के खिलाफ मारपीट, धमकी और महिला की गरिमा भंग करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

विद्या के मंदिर को मिली एक नई सोगात

महू. गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत गवली पलासिया के सरपंच रवि पाटीदार ने एक सराहनीय कार्य करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व कन्याशाला माध्यमिक विद्यालय गवली पलासिया के विद्यार्थियों को शुद्ध ठंडा पेयजल मिल सके इसके लिए आरो व वाटर कूलर लगवाया गया. इस अवसर मंडल अध्यक्ष मुकेश पाटीदार, जनपद सदस्य कैलाश आर्य, विस्तारक जितेंद्र पाटीदार, स्कूल प्रिंसिपल वंदना श्रीवास्तव व सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे इसके लिए सभी आभार प्रकट किया.

महू रेलवे प्रबंधक को मिला रेल सेवा पुरस्कार

महू. महू रेलवे स्टेशन प्रबंधक को रतलाम में आयोजित कार्यक्रम में रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया. मिली जानकारी के अनुसार प्रबंधक सुरेंद्र कुमार शुक्ला महू को वर्ष 2024 के लिए समर्पित अनुकरणीय रेल सेवा के लिए मंडल रेल प्रबंधक रतलाम अश्विनी कुमार द्वारा रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया. पुरस्कार मिलने पर उन्हें जगह-जगह से बधाइयां मिल रही है.

चैक बाउंस के प्रकरण में आरोपी को दोषमुक्त किया

महू. महू के विद्धवान न्यायाधीश हर्ष ठाकुर जे.एम.एफ.सी.महू के न्यायालय में विचाराधिन परिवाद निलेश वर्मा विनीता साल्वे में आरोपी नीता साल्वे पिता दिनकर साल्वे निवासी 98 न्यु उमरिया कॉलोनी ग्राम उमरिया तहसील महू जिला इंदौर को धारा 138 नि.ई. एक्ट के अपराध से दोषमुक्त कर दिया है. परिवादी निलेश वर्मा ने न्यायालय में 4,50,000 रूपये का चैक अनादरण का प्रकरण आरोपी के विरूद्ध पेश किया था परिवादी निलेश वर्मा अपने प्रकरण को सिद्ध करने में असफल रहा. इस कारण न्यायालय ने आरोपी नीता साल्वे को प्रकरण में दोषमुक्त किया है. आरोपी की ओर से पैरवी युवा अधिवक्ता अनिल वर्मा एडवोकेट महू ने की थी.

महू में श्रीराम कथा महोत्सव का शुभारंभ

महू. लाल जी की बस्ती स्थित भटे सरकार बालाजी मंदिर प्रांगण में 10 से 19 जुलाई तक सार्वजनिक श्री राम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसे युवाचार्य अभिषेक कृष्ण महाराज वाचन करेंगे.

वर्षा योग मंगल चातुर्मास कलश स्थापना

आगम मति माताजी ने किए अष्टानिका पर्व के 8 दिन के पूरे निराहार निर्जल उपवास, शुक्रवार को सम्पन्न हुआ पारणा

बड़वानी, (नवभारत)।
अषाढ़ माह की पूर्णिमा के 8 दिन पूर्व अष्टमी से जैन धर्म का अष्टानिका पर्व प्रारंभ होता है। इन 8 दिनों को भी महा पर्व ही माना जाता है तथा इन्हीं दिनों से चातुर्मास भी प्रारंभ होता है। इसी क्रम में पूरे विश्व में जहां भी साधू-संत विराजित हैं, उनके वर्षायोग चातुर्मास स्थापना का क्रम प्रारंभ हैं और दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र पर अंकलीकर परम्परा के प्रकृताचार्य सुनील सागर महाराज की शिष्य आर्यिका आगम मतिजी माता विराजमान है। जिनके वर्षायोग मंगल चातुर्मास की स्थापना बावनगजा सिद्धक्षेत्र पर धूमधाम से संपन्न हुई।

चातुर्मास में संत एक स्थान पर ही विराजित हो जाते हैं और अपनी सीमा का निर्धारण कर लेते हैं।

उतना ही विहार करते हैं, वर्षा ऋतु में बहुत ही सुक्ष्म जीवों की उत्पत्ति होती हैं और वो विचरण करते हैं और उन छोटे-छोटे जीवों का घात न हो। इन चार माह में तीर्थ क्षेत्र पर ज्ञान की गंगा बहेगी और विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, बौद्धिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर श्रावक और श्राविकाओं ने धर्म लाभ लिया।

ट्रस्ट अध्यक्ष विनोद दोशी और समाजजनों ने आर्यिका माताजी को श्रीफल भेंट कर मंगल आशीर्वाद लिया और चातुर्मास मंगल कलश स्थापना के लिए निवेदन किया। इसके बाद आगम माताजी ने मंत्रोच्चार, धार्मिक अनुष्ठान के साथ मंगल कलश की स्थापना की गई। प्रथम किरण विनोद दोशी बाकानेर, द्वितीय कलश चंदा देवी नेमीचंद धामनोद और तृतीय मंगल कलश विजया चांदमल मंडलोई बड़वानी परिवार को पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य मिला। माताजी को वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य माला मुकेश जैन बड़वानी और मंजू पवन दोशी बाकानेर को मिला। इस अवसर पर निमाड़, मालवा के श्रावक, श्राविकाओं, कार्यालयीन स्टॉफ और परिवार ने पुण्य अर्जित किया। आगम मति माताजी ने अष्टानिका पर्व के 8 दिन के पूरे निराहार निर्जल उपवास किए और शुक्रवार को उनका पारणा संपन्न हुआ। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी मनीष जैन ने दी।

धूमधाम से हुई स्थापना

- वर्षायोग मंगल चातुर्मास की धूमधाम से हुई स्थापना।
- श्रावक और श्राविकाओं ने अर्जित किया धर्म लाभ।

जनपद सीइओ ने सभागृह में की समीक्षा बैठक

पानसेमल, (नवभारत)।
जनपद पंचायत सभागृह में शुक्रवार जनपद सीइओ ने ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्यों सहित शासन की योजनाओं के संबंध में समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत वार मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन प्रधानमंत्री आवास योजना, सीएम हैल्प लाईन, सांसद निधि विधायक निधि, मुख्यमंत्री अधोसंरचना, जल गंगा संवर्धन अभियान, समग्र इकेवायसी, पेंशन केवायसी, आयुष्मान योजना सहित प्रगतिरत निर्माण कार्यों की जानकारी ली। साथ ही निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाया जाए। वहीं निर्माण कार्यों को गुणवत्ता से बनाया जाए। इस दौरान सीइओ अंतरसिंह डावर, पहाड़सिंह ब्राम्पने, पर्वत मंडलोई, एएओ इंदास पटेल, बीपीओ योगेंद्र कुलकर्णी सहित सचिव, रोजगार सहायक, उपयंत्री एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

योजना अंतर्गत लिए जा रहे आवेदन

बड़वानी। मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना अंतर्गत उद्योग, सेवा एवं खुदरा व्यवसाय रिटेल ट्रेड के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र ने बताया कि योजना अंतर्गत उद्योग क्षेत्र के लिए 50 हजार से 50 लाख रूपए तक तथा सेवा या खुदरा व्यवसाय के लिए 50 हजार से 25 लाख तक की परियोजना लागत सीमा निर्धारित की गई है। योजना में 18 से 45 वर्ष और न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण इच्छुक आवेदक आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान त्रैमासिक की दर से 7 वर्ष तक देय होगा। योजना का संचालन ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा

एक नजर में टीएस पर भी खड़े हुए सवाल, निवाली जनपद की साकड़ पंचायत में वाटरशेड योजना के तहत निर्माण पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

बिना पिचिंग बनाया 10 लाख का तालाब, बारिश में टूटने का खतरा

नवभारत न्यूज़
सेंधवा 12 जुलाई.
जनपद पंचायत निवाली अंतर्गत ग्राम पंचायत साकड़ में वाटरशेड योजना के तहत करीब 10 लाख रूपए की लागत से तालाब का निर्माण कराया गया है, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता और तकनीकि स्वीकृति पर स्थानीय ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि तालाब का निर्माण ऐसे स्थान पर किया गया है, जहां न तो कोई बरसाती नाला मौजूद है और न ही प्राकृतिक जल प्रवाह का कोई स्रोत है। ऐसे में वर्षा का पानी तालाब में लंबे समय तक टिक नहीं पाएगा और उसका उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब का

पूरा काम मशीनों से कराया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब की बारिशकाल 15 जून से शुरू हो चुका है, लेकिल जिम्मेदारों ने तालाब की पिचिंग ही नहीं कराई है, जिससे तेज बारिश में उसकी पाल के फुटने की आशंका बढ़ गई है। यदि ऐसा होता है, तो भारी नुकसान हो सकता है।

ग्रामीणों के अनुसार तालाब के लिए चुनी गई जगह भौगोलिक और तकनीकी दृष्टि से उपयुक्त नहीं है। वहां न तो कोई बरसाती नाला है और न ही स्थाई जल प्रवाह की संभावना। ऐसे में तालाब में पानी लंबे समय तक नहीं रूकेगा। जिससे पूरा निर्माण उद्देश्यहीन हो जाएगा। उनका मानना है कि यदि उक्त निर्माण स्थल की टीएस जांच और भौतिक निरीक्षण कराया जाए, तो अनियमितताएं उजागर होंगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए और भविष्य में इस तरह के निर्माण में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। वाटरशेड योजना का काम देख रहे इंजीनियर विकास शितौले ने बताया कि तालाब निर्माण की राशि का भुगतान नहीं हुआ है, इस कारण पीचिंग कार्य नहीं हो पाया। काम नियमानुसार किया जा रहा है।

वाटर शेड के कामों में जमकर गड़बड़ी

सूत्रों की माने तो पानसेमल अनुविभाग की पानसेमल और निवाली जनपद क्षेत्र की पंचातयों में वाटर शेड के तहत हुए निर्माण कार्यों स्टॉप डेम, तालाब निर्माण, चेक डैम सहित अन्य कामों में जमकर गड़बड़ी की गई है। यदि निष्पक्ष जांच हो जाए तो कई जिम्मेदारों पर गाज गिर सकती है।

कराएंगे जांच

साकड़ तालाब की पिचिंग किस कारण से नहीं हुई है दिखवा लेते हैं। तालाब की साइट सिलेक्टशन को लेकर एई से जांच कराएंगे। अनियमितता पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विरल पटेल, सीईओ, जनपद पंचायत निवाली।

आदतन अपराधियों को थाने बुलाकर करवाई परेड

- परिजनों के सामने दिलवाई अपराध से तौबा करने की शपथ

इंदौर. जोन 3 में पुलिस ने क्षेत्र के गुंडों बदमाशों के खिलाफ नवाचार करते हुए अनोखा प्रयोग किया. त्योहारों से पहले पुलिस की इस अनोखी पहल के तहत आदतन अपराधियों को थाने बुलाकर न सिर्फ उनकी परेड कराई, बल्कि उनके परिजनों की मौजूदगी में उन्हें अपराध से दूर रहने की शपथ भी दिलाई.

अपराध पर नियंत्रण और शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने एक नई मुहिम की शुरुआत की है. जिसके तहत बाणगंगा थाने पहुंचे डीसीपी जोन 3 और एडीसीपी के निर्देशन में एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें क्षेत्र के गुंडों, निगरानी बदमाशों और उनके परिजनों को थाने बुलाया. अभियान के दौरान गुंडों का रिकॉर्ड अपडेट किया, उनके जीवनयापन के साधनों और नेटवर्क की जानकारी ली. इसके साथ ही यह भी पता किया गया कि वे जहां रहते हैं, वहां किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में

उनकी संलिप्तता तो नहीं है. इस मुहिम की सबसे खास बात यह रही कि अपराधियों के परिवारों को भी शामिल किया, जिन्हें पुलिस ने स्पष्ट रूप से समझाया कि अब समय आ गया है कि वे अपने परिजनों को अपराध की दुनिया से बाहर निकालें और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ें. इस दौरान पुलिस ने 35 गुंडों के साथ ही 19 निगरानीशुदा और अन्य 34 बदमाशों के परिजन शामिल हुए. इन सभी को पुलिस अधिकारियों ने चेताया कि यदि अब भी आपराधिक प्रवृत्तियां नहीं छोड़ी गईं, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी. मौके पर सभी को आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई.

त्योहारों को देखते हुए कार्रवाई

परिजनों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने परिजनों को सुधारने और पुलिस को सहयोग देने के लिए तैयार हैं. अधिकारियों ने बताया कि आगामी त्योहारों को देखते हुए सभी बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो.

35 हजार की रिश्वत लेते ब्लॉक ऑपरेटर धराया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठिकरी का

नव भारत न्यूज

इंदौर. लोकायुक्त इंदौर की टीम ने बड़वानी जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठिकरी में पदस्थ संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर को 35 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार किया. यह रिश्वत एक कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर का वेतन और परफॉर्मेंस इंसेंटिव जारी करने के बदले मांगी गई थी. मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी को भी आरोपी बनाया है.

शिकायतकर्ता डॉ. बलवीर सिंह वर्मा उप स्वास्थ्य केंद्र कालापानी ब्लॉक ठिकरी, जिला बड़वानी में बतौर कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर पदस्थ हैं. उनका आरोप है कि दिसंबर 2024 से मई 2025 तक की करीब 2.87 लाख रुपए की वेतन व पीवीआई राशि लंबित थी. यह भुगतान कराने के एवज में सीएचसी ठिकरी के बीएमओ डॉ. राजवीर तोमर और ब्लॉक कंप्यूटर

ऑपरेटर राहुल कुमार गुप्ता द्वारा 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी. शिकायत मिलने पर लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय के निर्देश पर मामले का सत्यापन किया तो वह सही पाया. इसके बाद ट्रैप दल का गठन किया और 11 जुलाई को ऑपरेशन को अंजाम दिया. टीम ने आरोपी राहुल गुप्ता को 35 हजार रुपए की रिश्वत लेते

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बाइक से गिरी महिला ने अस्पताल में तोड़ा दम

इंदौर. शहर के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई. एरोड्रम थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहन ने एक युवक को कुचल दिया, जबकि क्षिप्रा क्षेत्र में बाइक से गिरकर घायल हुई महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. दोनों ही मामलों में पुलिस ने शव को पोस्टमार्ट के लिए भेज जांच शुरु की.

टीसीएस कंपनी, सुपर कॉरिडोर के सामने एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने 40 वर्षीय शैलेन्द्र को टक्कर मार दी. गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई. हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया. पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से उसकी तलाश की जा रही है. वहीं ग्राम पीर कराड़िया में 21 जून को बाइक से गिरकर घायल हुई 58 वर्षीय संगीता बाई पति शिवनारायण पटेल निवासी डकाच्या की इलाज के दौरान मौत हो गई. बाइक चालक सचिन पटेल, ग्राम डकाच्या निवासी, ने चलते वाहन को अचानक ब्रेक कर दिया जिससे पीछे बैठी संगीता बाई संतुलन खो बैठीं और सिर के बल सड़क पर गिर गईं. उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. पुलिस ने सचिन पटेल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरु की.

महिला ने पिया एसिड-इंदौर. घटना महावर नगर, अन्नपूर्णा क्षेत्र की है, जहां 65 वर्षीय शांति बाई, पति राम नारायण ने एसिड पीकर आत्महत्या कर ली. परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी. पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और परिजनों के बयान लिए जा रहे है.

अनदेखी निर्देशों के बावजूद प्रशासन बना हुआ है उदासीन

पेट्रोल पंपों पर नहीं रूक रही चोरी और मिलवाट!

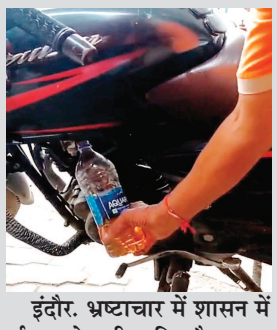

इंदौर. भ्रष्टाचार में शासन में कई भ्रष्टलोग भी शामिल है यह जग ज़ाहिर है. मुख्यमंत्री के वाहन में मिलावटी डीजल डालने वाली घटना पर कड़ी करवाई कर पेट्रोल डीजल पंप सील किया गया था. संचालक पर एफआईआर की गई लेकिन प्रदेशभर के हज़ार पंपों पर आज तक नकेल नहीं कसी गई.

रतलाम की घटना के बाद भी शासन-प्रशासन ने सख्त रूख नहीं अपनाया. जांच के आदेश भी ठंडे हो गए. फलस्वरूप यह हुआ कि प्रदेशभर के पंप संचालाकों में डर नहीं रहा और वहां धड़ल्ले से ईंधन की चोरी करते रहे. हाल ही में इंदौर के टॉवर चौराहे पर स्थित पेट्रोल पंप एक व्यक्ति ने अपने दो पहिया वाहन में सौ रूपए का पेट्रोल डलवाया. मौके पर ही पेट्रोल निकाला गया तो वहां आधा लीटर ही मिला, जिसका वीडियो प्रदेश भर में वायरल हो गया. इस तरह की यहां पहली घटना नहीं है. पेट्रोल की चोरी पिछले कई वर्षों से होती आ रही है. पंप मशीन कैसे सेट होती है और अधिकारी द्वारा जांच पर क्लीन चिट कैसे मिल जाती है? ऐसे में नीचे से लेकर ऊपर तक इसमें लिप्त सभी अधिकारी भ्रष्टाचार के कटघरे में दिखाई देते है. खाद्य आपूर्ति विभाग के कनिष्ठ अधिकारी या अपर अधिकारी को पंप के जांच के अधिकार प्राप्त थे लेकिन प्रदेश स्तर पर 31 जुलाई 2020 में उपरोक्त आदेश निरस्त करते हुए जांच के अधिकार जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रण गजेटेड अधिकारी को दिए गए. प्रदेश में 6100 पेट्रोल पंप हैं. प्रदेश में 25 जिला खाद्य गजेटेड अधिकारी हैं. ऐसे में एक पर 244 पंप का भार है. इस तरह कैसे जांच की प्रक्रिया पूरी हो पाएगी. शासन उपभोक्ताओं को ठगने कैसे बचाएगा यहां समय ही बताएगा.

इनका कहना है...

जहां जांच के आदेश दिए गए वहीं भ्रष्टाचार दिखाई दे रहा है. ईधन की चोरी की ख़बरें भी प्रकाशित होती हैं. कई लोग लिखित में भी देते है लेकिन कार्रवाई क्यों नहीं होती यह बड़ा सवाल है.

- जुनैद आलम

एक तरफ सरकार भ्रष्टाचार खत्म करने की बात करती है. वहीं दूसरी ओर कड़ी कार्रवाई करने में पीछे रहती है. प्रजा सिर्फ वोट डालने के लिए नहीं होती. सरकार इस पर ध्यान दे.

- शैलेष शर्मा

हमारी संस्था द्वारा 4 जुलाई को जिला कलेक्टर को ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि उपभोक्तओं को ध्यान में रखकर कड़े कदम उठाते हुए ईंधन पंप पर अनियमितताओं को दूर किया जाए.

- पप्पू नरवरिया, सदस्य जागरूक उपभोक्ता समिति

एक निजी उपभोक्ता संस्था ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर नीति बनाने और सख्त कारईवाई करने का आग्रह किया है.